# 4 पशुओं की जीवनशैली, जैव विविधता

## (Discover the Life style of the Wild – Biodiversity)

मनुष्य अपने परिवार के साथ गाँव या शहर में रहते हैं। इस तरह समाज के साथ जुड़े रहने के कारण मनुष्य को 'सामाजिक प्राणी' कहा गया है। मनुष्य का जीवन परस्पर सहयोग से चलता है। मनुष्य रोटी, कपड़ा, आवास तथा यातायात जैसी सुविधाएँ अपने आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्थापित कर लेते हैं। लेकिन पशु कैसे जीवन बिताते हैं? क्या करते हैं? उनकी जीवनशैली कैसी होती है? इन विषयों की जानकारी प्राप्त कीजिए। आपकी जिज्ञासा पूर्ति के लिए निम्न चित्र देखिए।

**समूहों में चर्चा कीजिए-**

- क्या आपने चित्र में दिये गये पशुओं को कभी देखा है?
- इस समूह में कितने हाथी हैं? वे कहाँ जा रहे हैं?
- हाथी समूहों में क्यों रहते हैं? समूह में रहने से उन्हें क्या लाभ है?

## 4.1. पशुओं की जीवनशैली

जंगली हाथी समूह में होते हैं। एक समूह में 10 से 12 हाथी होते हैं। समूह में उनकी संतान भी होती है। इन समूहों में मादा हाथी अधिक होते हैं। नर हाथी छोटी आयु में समूह में रहकर 15 वर्ष की आयु में समूह छोड़ देते हैं। साधारणतः हाथियों में सबसे बड़ी मादा हाथी इस समूह का नेतृत्व करती है।

SCERT TELANGANA

यह मादा हाथी सुबह सबेरे ही घींकार नाद करके जँगल में चली जाती है। समूह के सारे हाथी इसी का अनुसरण करते हैं। अधिक चारा उपलब्ध होने वाले प्रांत में हाथी अलग-अलग अपनी आवश्यकता के अनुसार पत्ते और छोटी-छोटी डालियाँ खाते हैं। दोपहर के समय निकटवर्ती जलाशय जाकर आनंद से तैरने लगते हैं। अपने बच्चों को भी तैरना सिखाते हैं। खेल खेलते हैं। इस तरह सामूहिक जीवन बिताने से हाथी अपने बच्चों की रक्षा कर पाते हैं। चारा ढूँढ़ना, शत्रु को डराना जैसे क्रियाकलापों से वे जीते हैं तथा अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित कर लेते हैं।

आप हाथियों के जीवनशैली को समझ गये हैं! ना! आपको अपने घरों में पाले जाने वाले पालतु जानवरों के बारे में पता होगा न! कुछ जँगल में तो कुछ गलियों में जीने वाले जानवर को क्या आप जानते हैं? वे क्या खाते हैं? कहाँ रहते हैं? क्या करते हैं? इन विषयों के बारे में अपने मित्रों से चर्चा कीजिए। आप अपने बड़ों से पूछिए। अधिक जानकारी के लिए अपनी पाठशाला के ग्रंथालय से जंतु ज्ञान संबंधी पुस्तकें पढ़िए। आपके घर में टी.वी. है, तो नेशनल जियग्राफिकल चैनल देखिए। डिस्कवरी चैनल भी देख सकते हैं। आपने जिन जंतुओं की जानकारी प्राप्त की है, उनकी जीवनशैली के संबंध में मित्रों से चर्चा कीजिए और जानकारी लिखिए। कुछ जानवर अकेले ही जीवन यापन करते हैं। ऐसे जानवरों के बारे में अपने अध्यापक से जानकारी प्राप्त कीजिए।

**समूहों में चर्चा कीजिए-**

- हाथियों के अतिरिक्त कौन-कौनसे जंतु समूहों में जीते हैं?
- क्या आपने बंदरों के समूह को देखा है? वे समूह में ही क्यों रहते हैं?
- कौन-कौन से जंतुओं की जीवनशैली किस प्रकार होती है?
- जंतुओं के सामूहिक जीवन के क्या कारण हो सकते हैं?

**क्या आप जानते हैं?**

बाघ अच्छी तरह शिकार कर सकते हैं। उनके बच्चे शिकार करना नहीं जानते। बाघों के समूह से ही उनके बच्चे शिकार करना सीखते हैं। बाघों के साथ खेलते-खेलते वे शिकार करना और अन्य विषय भी सीख लेते हैं।

आपने जानवरों की जानकारी प्राप्त की है। अब पक्षियों के बारे में भी कुछ जानकारी लेंगे। वे कहां रहते हैं? क्या करते हैं? क्या आप इन्हें जानते हैं? क्या ये भी समूहों में रहते हैं? क्या आपने पक्षियों के समूह को आकाश में उड़ते देखा है? किस काल में इस दृश्य को देख सकते हैं? यह चित्र देखिए।

© SCERT TELANGANA

## समूहों में चर्चा कीजिए-

- कौन से समय पक्षी सामूहिक रूप से उड़ते हैं?
- किन-किन आकारों में पक्षी आकाश में घूमने लगते हैं?
- आकाश में घूमने वाले पक्षियों को देखकर आपके मन में कैसे विचार आते हैं?
- कौए क्यों समूह में रहते हैं? सोचिए।
- यदि किसी कौए की मृत्यु हो जाती है, तो दूसरे कौए क्या करते हैं?

## ऐसा कीजिए-

निरुपयोग कागज का उपयोग करते हुए पक्षी बनाकर उड़ाइए।

पशु एवं पक्षी सामूहिक प्राणी हैं। समूह में रहकर जीवन जीते हैं तथा अपनी सुरक्षा का प्रबंध कर लेते हैं। पशुओं की संतान भी बड़े जानवरों से जीवनशैली को अपनाती है जैसे शत्रु से बचना, आहार प्राप्त

SCERT TELANGANA

करना, जल कूपों की तलाश, जैसे **आदी**।

पक्षी आहार की तलाश में सामूहिक रूप से आकाश में उड़ते हैं। आकाश से ही फसल की पहचान कर लेते हैं। आहार और आवास के लिए हजारों मील तक यात्रा करने की क्षमता पक्षियों में होती है। आहार के लिए फ़सल, बाग, कृषि क्षेत्र आदि तक जाते हैं।

कुछ पक्षी कीड़े-मकोड़े, छोटे-छोटे जलचर ओर मछलियों को आहार के रूप में लेते हैं। इनके लिए झरने, नदी, तालाब, जलाशय आदि में पहुंच जाते हैं। अपने आहार को पाते हैं। इस तरह पक्षी आहार की तलाश सामूहिक रूप से करते हैं।

**क्या आप जानते हैं?**

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम समुद्री तट पर जाकर आकाश में उड़ते पक्षियों के समूह को देखते थे। उनके आकाश में उड़ने की क्षमता के बारे में सोंचा करते थे। **उनके लगातार अवलोकन से उन्हें बहुत सहायता मिली।** ये सोंच ही **रॉकेट पर उनके भावी शोध** कार्य के मूल स्तंभ हैं। ध्यान से देखना, जानकारी प्राप्त करना, एक लक्ष्य निर्धारित कर लेना, उस लक्ष्य साधना के लिए परिश्रम करने जैसे सद्‌गुण उन्हें महान व्यक्ति के रूप में खड़ा किया है। यदि हम भी पशु-पक्षियों को ध्यानपूर्वक देखने लगेंगे तो कई नये विषयों को जान **पायेंगे**।

## 4.2. पक्षी-घोसलें

जीव-जंतुओं को भी मनुष्य की तरह आवास की आवश्यकता होती है। तीसरी कक्षा में आप जान चुके हैं कि गर्मी, सर्दी, बरसात से रक्षा पाने के लिए पशु-पक्षियों को आवास की आवश्यकता होती है। हमारे आसपास में कई पक्षी हैं। लेकिन वे कहां वास करते हैं? निम्न चित्र देखिए। वे किन पक्षियों से सम्बद्ध हैं पहचानिए।

SCERT TELANGANA

पक्षी बहुत सुंदर घोसले बना लेते हैं। इनमें से आपने कौन-कौन से घोसले देख चुके हैं? कहाँ देख चुके हैं? बताइए। हमारी तरह पक्षी भी आवास का निर्माण कर लेते हैं। लेकिन वे किन वस्तुओं की सहायता से इनका निर्माण करते हैं? कैसे करते हैं? विषयों पर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

**समूह में चर्चा कीजिए-**

- क्या पक्षियों के घोसले आपको पसंद आये? क्यों?
- इन घोसलों के निर्माण में पक्षियों ने किन वस्तुओं का उपयोग किया?
- क्या आपने बुनकर पक्षी को देखा है? छोटी होकर भी इस पक्षी ने इतने बड़े घोसले का निर्माण कैसे किया होगा?
- कुछ पक्षी पेड़ों में छेद करके उनमें आवास करते हैं। इसी तरह कोई अन्य पक्षी हैं? बताइए।

यह घोसला देखिए। पत्तों से कितना सुंदर दिखाई दे रहा है। बुनकर पक्षी धागे और पत्तों से घोसला बनाती है।

**ऐसा कीजिए-**

1. आपके आस-पास के किसी पक्षी के घोंसले को ध्यान से देखिए। घोसले को मत हिलाइए। बाद में मधुमक्खी रहित छत्ते को देखिए। उसका निर्माण उन्होंने कैसे किया होगा? किस तरह उनका उपयोग किया होगा? ध्यान पूर्वक देखें और उन विषयों को अपनी नोट बुक में लिख लीजिए।
2. छोटी-छोटी काड़ियाँ, धागे, घाँस के कपड़ों के टुकड़े, पत्ते, आदि की सहायता से आपका मनपसंद घोंसला बनाकर प्रदर्शन दीजिए।

आप देख चुके हैं कि घोंसला बनाना कितना **कठिन** है। ठीक इसी तहर पक्षी भी अपने और अपने बच्चों के लिए घोंसला बनाने के लिए बहुत परिश्रम करते हैं। अपनी निपुणता दिखाते हैं।

पक्षी साधारणतया काड़ियाँ, घास, धागे, कागज के टुकड़े, कपडे के टुकड़े, पत्ते आदि का उपयोग करके घोसले का निर्माण कर लेते हैं।

आप यह जान चुके हैं कि तरह-तरह के पक्षी विभिन्न प्रकार के घोंसले बना लेते हैं। बुनकर पक्षियों में नर पक्षी ही घोंसला बनाता है। मादा पक्षी उस घोंसले में अंडे देती है। साधारण रूप से पक्षी जब अंडे देने

SCERT TELANGANA

का समय आता है, तब घोसला बना लेते हैं। आपने बच्चों के पर आकर हवा में उडने पर पक्षी वह घोंसला छोड़ देते हैं। फिर अंडे देने का समय आ जाता है, तो नये घोंसले का निर्माण कर लेते हैं। इससे पता चलता है कि घोंसले बनाने के लिए पक्षी निरंतर परिश्रम करते हैं।

**समूह में चर्चा कीजिए-**

- पक्षी अपने बच्चों को क्या खिलाते हैं? कैसे खिलाते हैं?
- क्या आपने किसी पक्षी को अपने बच्चों को आहार देते हुए देखा? वह तुम्हें कैसा लगा?

कुछ बच्चे घोंसले गिराने या अंडे तोड़ने जैसे नटखट कार्य करते हैं। जब हमारे घर पर कोई हमला करता है, तो हमें बहुत कष्ट होता है न। वही कष्ट पक्षियों को भी होता है। इसलिए पक्षी और उनके अंडों को नष्ट न करें।

**सोचिए...**

- क्या सब पक्षी घोंसलों में ही अंडे देते हैं?
- मुर्गी कहाँ अंडे देती है?

**क्या आप जानते हैं?**

सलीम अली! ये पक्षी वैज्ञानिक हैं। इन्होंने पक्षियों पर कई शोध किये और रचनाएँ भी की है। विश्व भर में इनके शोध कार्य पर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। ये हमारे भारतीय हैं।

**नीलकंठ (पालिपट्टा)**

नीलकंठ तेलंगाना राज्य का राज्य पक्षी है। दशहरा के दिन नीलकंठ को देखना तेलंगाना संस्कृति का अंश है । हमारे पूर्वजों का मानता है कि इसको देखना शुभ और सौभाग्य का सूचक है। यह एक दुर्लभ पक्षी है।

पेड़ काटने, कीटक नाशकों का अधिक उपयोग करने जैसे कार्यों से पक्षियों की संख्या घटती नजर आ रही है। हाल में यह सिद्ध हुआ कि सेलफोन टावर से निकलने वाले रेडियेशन से छोटे पक्षियों पर बुरा प्रभाव पड़ा। जिसके कारण वे लुप्त होने की स्थिति में पहुँच गये हैं। पक्षियों के लुप्त होने से कैसी समस्याएँ उत्पन्न होंगी? पक्षियों की रक्षा हम सबका दायित्व है।

## 4.3. कीट - सामूहिक जीवन

विजया ने अपने घर के आंगन के एक कोने में गीलि मिट्ठी का ढ़ेर देखा। तभी उसमें से 'ज़ ज़ ज़...' आवाज सुनाई दी। जो एक कीट था और वह उस ढ़ेर में चला गया। कुछ देर बाद फिर बाहर आया। अब विजया बड़ी उत्सकुता के साथ उसके पास जाकर देखने लगी। उस पदार्थ में कई कीट दिखाई दिए।

SCERT TELANGANA

जब उनके पिता घर की सफाई कर रहे थे, तो उन्होंने एक लकड़ी से इसे निकाला। जब उसमें देखा तो 'खाने' थे। ऐसे छत्ते को क्या कभी आपने देखा? ततियों के कई किस्म होते हैं। ततिया रहने के परिसर के अनुसार अपना छत्ता बना लेते हैं। मादा ततिया ही छत्ता बनाती हैं। ततिया समूह में मिलजुलकर जीवन यापन करते हैं।

रामू के घर के आँगन में एक बड़ा पेड़ है। उस पर मधुमक्खियो का छत्ता है। क्या आपने ऐसे छत्ते को देखा है? उनके खाने कैसे हैं? सैकड़ों मधूमक्खियाँ मिलकर रहते हैं और अपने मुँह से निकलने वाले स्राव से छत्ते का निर्माण करती हैं। इस तरह मिलकर रहने को ही सामूहिक जीवन कहते हैं।

**सोचिए...**

- रामू शरारती लड़का है। वह मधुमक्खी के छत्ते पर पत्थर फेंकता है। बाद में क्या हो सकता है। सोचकर लिखिए। ऐसा कर सकते हैं। क्यों कर नहीं सकते हैं?

डिकोरी और मधुमक्खियों के छत्ते को हिलाने पर वे आदमियों पर हमला करती हैं। ये डंक मारकर विष पदार्थ को शरीर में भेजती हैं। इससे प्राणों को खतरा हो सकता है। इसलिए उन्हें न छेड़ें।

मधुमक्खियों की तरह चींटियाँ भी समूह में जीती हैं। चींटियाँ भले ही छोटी हों, लेकिन उनसे हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। निम्नलिखित पद्धति के अनुसार चींटियों पर ध्यान दीजिए।

**ऐसा कीजिए-**

- आपके घर में या पाठशाला में किसी एक कोने में गुड़, चीनी जैसे पदार्थ रखिए। कुछ देर के बाद देखिए। चीटियों को जब उन पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते समय दूरबिन वाले लेंस से ध्यान से देखिए। लेकिन चींटियों को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।
- चींटियों के शरीर के भाग को ध्यान से देखिए। वे कैसे चल रही है?
- चींटियाँ खाने के पदार्थ कहाँ ले जा रही हैं?

SCERT TELANGANA

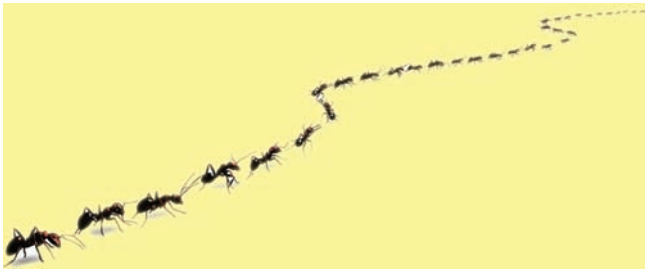

सामाजिक जीवन के लिए चींटियाँ आदर्शनीय माने जाते हैं। वे अपने कार्य को आपस में बांटकर अनुशासन के साथ काम करती हैं। चीटियां मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती हैं। मजदूर, नर, रानी चींटियाँ इनमें से हैं। मादा चींटिया अंडे देती हैं और उनकी रक्षा करती हैं। चींटियों को उनके बच्चों का आहार देना, बिल बनाना और उसको मरम्मत करना जैसे कार्य मजदूर चींटियां करती हैं। चींटियाँ उनके घरोंदे को मिट्टी से बनाती हैं। घरोंदे में एक-एक स्थान को अपने निर्दिष्ट कार्यक्रमों के लिए उपयोग करती हैं। चींटियाँ आहार पदार्थों को दाँतों से टुकड़े-टुकड़े बनाती हैं।

कुछ प्रकार की चींटियाँ अपने बिल से दूर जाते समय एक प्रकार की गंध वाले प्रदार्थ को छोड़ते हुए चलती हैं। उस गंध के आधार पर वे अपने रास्ते को पकड़ सकती हैं। जब वे अपने बिल को लौटती हैं, इसी गंध के आधार पर पहुँच जाती है। चींटियाँ जब आमने-सामने होती हैं, उनके सिर टकराते हैं। ऐसा आपने भी देखा होगा? लेकिन वे ऐसा क्यों करती हैं?चींटियाँ आहार मिलने वाले स्थान के बारे में आने-जाने के मार्ग संबंधी समाचार का विनिमय करती हैं।

### क्या आप जानते हैं?

एक चींटी अपने से 50 प्रतिशत अधिक वजन वाली वस्तु को ढो सकती है। चींटी के साथ सभी कीड़े-मकोड़ों को छः पैर होते हैं। चींटियों के सिर पर दो फीलर्स (एंटिना जैसे) होते हैं। ये आहार का पता लगाने, दूसरी चींटियों को समाचार देने में उपयोगी है।

चींटियों की तरह मधुमक्खियाँ भी समूहों में जीती हैं। कार्य विभाजन भी पाया जाता है।

हम जान चुके हैं कि हाथी, बाघ, बंदर जैसे जानवर और पक्षी को भी मिल जुलकर जीवन आवश्यक है। एक दूसरे की सहायता करना, जब कोई समस्या आती है, तो मिलकर सुलझाना चाहिए। इससे एक-दूसरे में प्रेम भावना बढ़ जाती है।

SCERT TELANGANA

## 4.4. पशु-पक्षियों पर करुणा

**सोचिए...**

- उपर्युक्त चित्रों में आपने क्या देखा?
- उपयुक्त चित्रों में जैसा आपने देखा, क्या कभी आपने पशु-पक्षियों को भोजन दिया है?
- क्या आपको पशु-पक्षियों को आहार देना, उनकी रक्षा करने पर कैसा लगेगा?

क्या आपने किसी पशु के (बिल्ली, कुत्ता, बैल, गाय) घायल होने पर इलाज करवाया? आपको कैसा लगा?

जानवर भी हमारी तरह प्राणी हैं। उन्हें कष्ट न दें। पत्थर न मारें। उनकी जरूरत पहचानकर उन्हें आहार, पानी देते हुए सहयोग करना चाहिए।

भूख से तड़पते कुत्ते, बिल्लियों आदि जानवरों को देखते ही आपको क्या लगता है। जानवरों को बांधकर न रखें। पक्षियों को दाना डालना चाहिए। जानवर और उनके बच्चों की देखरेख अच्छी तरह से करें।

SCERT TELANGANA

## 4.5. जैव विविधता

एक प्राँत में रहने वाले पेड़-पौधे और जानवर विविध प्रकार के होते हैं। इसी को 'जैव विविधता' कहते हैं। जमीन पर पाये जाने वाले हर जानवर को जीने का अधिकार है। सारे जानवर एक-दूसरे पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर होकर जीवन बिताते हैं। इसी को 'जैव विविधता' कहते हैं। इसलिए हर जानवर की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। मनुष्य का बिना सूझबूझ के पेड़ों को काटना, जंतुओं को मारना, जैसे अमानुषिक कार्यों से प्रकृति का संतुलन खोता जा रहा है। इसीसे जैव विविधता नष्ट हो रही है।

**सोचिए...**

- चित्र में आपने कौन-कौनसे जानवर देखे हैं? लिखिए।
- तालाब में कौन-कौन से जानवर हैं?
- इतने प्रकार के जानवर क्या आपने कभी देखे? कहां?
- इस तरह के जानवर यदि आप अपने प्रांत में देखा हे, तो उस संदर्भ को लिखिए।
- इतने प्रकार के जानवर क्या आज भी हैं? अगर नहीं तो क्या हुए?

खेतों में जाने पर तरह-तरह की फसलें, पेड़-पक्षी तथा कीड़े-मकौड़े दिखाई देते हैं। वे देखने में बहुत सुंदर होते हैं। नालियों में बहता पानी, नहरों में रहने वाली मछलियों से बहुत आनंद मिलता है। हमारे आस-पास के पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, पहाड़, नहर, नदी, पर्वत और समुद्र जैसी सारी चीजें जैव विविधता के अंतर्गत ही आती हैं।

SCERT TELANGANA

इस ज़मीन पर रहने वाले सभी प्रकार के जानवर और पेड़ की तरह मनुष्य भी जैव विविधता का एक हिस्सा ही है। पेड़ और जानवर उनके आवास, आहार लेने की आदतें तथा शरीर निर्माण में विलक्षणता दिखाते हैं। यही विलक्षणता विविधता को सूचित करती है।

**ऐसा कीजिए-**

- आपके गाँव के किसी इलाके को चुनिए। वहां के पेड़-पौधे, जानवर, पानी के स्रोत, पहाड़ जैसे विभिन्न प्रकार के चीजों पर ध्यान दीजिए। उनके बारे में लिखिए।
- जैव विविधता के बारे में आप क्या समझते हैं? लिखिए।
- आपके प्राँत में पूर्व काल में होकर आज न पाए जाने वाले पेड़-पौधों और जानवों के नाम अपने बड़ों से पूछकर लिखिए।

जैव विविधता के अंतर्गत आने वाले जीव-जंतु एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। जैव विविधता हमारे नित्य जीवन के लिए उपयोगी है। जल, हवा, आहार, आवास, इस तरह हर विषय में जीव-जंतु परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर हैं। मनुष्य द्वारा किये जाने वाले कालुष्य के कारण कार्बनडाई आक्साइड, कार्बन मोनाक्साइड आदि वायु में फैल रहे हैं। इन्हीं से वातावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। यह जैव विविधता के लिए खतरा है। हवा, जल, तापमान, समुद्री जीव, समुद्र तट जैसे इस प्रदूषण से प्रभावित हो रहे हैं। बहुत सारे जीव-जंतु वातावरण के इस बुरे प्रभाव के कारण विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज की इस जैव विविधता हजारों वर्ष पूर्व पनपी है। हमारे जीवन के लिए उपयोगी हर सुविधा को यह जैव विविधता उपलब्ध कराती है। आहार, ईंधन, औषधि, सूखी लकड़ी, फल, फसल, जलचर, सूक्ष्मजीव, आदि उपलब्ध हो रहे हैं।

**समूह में चर्चा कीजिए-**

- विविध प्रकार के पेड़-पौधों को नष्ट होने से क्या समस्याएं हैं? जलचर केसे नष्ट हो रहे हैं?
- जैव विविधता की रक्षा के लिए आप क्या करेंगे?
- जंगलों के घटने से जैव विविधता को किस तरह नष्ट होंगे?

सभ्यता, नगरीकरण, मजदूर क्राँति और मनुष्य के स्वार्थ के कारण जैव विविधता का संतुलन नष्ट हो रहा है। कई पेड़-पौधे, पशु, वन्यप्राणी दिन-ब-दिन घटते जा रहे हैं। कई जीव जातियां लुप्त होती जा रही हैं।

SCERT TELANGANA

यह जमीन सब प्रकार के प्राणियों के लिए है। ये जीवन अपने आस-पास के सजीव-निर्जीव पर्यावरण पर निर्भर है। मनुष्य पहाड़, झरने, नदी, समुद्र जैसे सहज वस्तुओं के ढांचे में बदलाव का कारण बन रहा है। ऐसा करने से जमीन पर जीव जंतु हो रहे हैं।

हर प्राणी को जीने का अधिकार है। इस अधिकार को सुरक्षित रखना है। जैव विविधता की रक्षा के लिए पेड़-पौधों को लगाना, जंतुओं की सुरक्षा के उपाय करना, प्रकृति को नष्ट नहीं करना चाहिए। जल प्रदूषण को रोकना है। जैव विविधता की रक्षा ही मनुष्य की रक्षा है। जैव विविधता को क्षति पहुंचेगी तो मानव के लिए जीना मुश्किल हो जाएगा।

### 4.5.1. लुप्त होती संपत्ति

चित्र में दिखाई दे रहे डायनासोर के बारे में आप क्या जानते हैं। वे अब जमीन पर नहीं हैं। ठीक उसी तरह हजारों जानवर, पक्षी, कीड़े-मकोड़े दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक जमाने में हमारे देश में बाघ, शेर, जैसे जानवर जंगलों में हजारों की संख्या में होते थे। जंगलों के नष्ट होने से उनका अस्तित्व ही संदेह में पड़ गया है। कुछ प्रकार के बाघ तो न के बराबर हो चुके हैं। इनकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। जंगलों के काटने से क्या होगा? इसका प्रभाव किन-किन विषयों पर पड़ता है।

**ऐसा कीजिए-**

आपके गांव के वयोवृद्धों से पूछताछ करके पूर्वकाल में रहकर आज न दिखाई देने वाले पशु-पक्षी एवं कीड़े-मकोड़े आदि का समाचार संग्रहण कीजिए। बाद में एक तालिका बनाइए।

| लुप्त होते जानवर | पक्षी | कीड़े-मकोड़े |
|---|---|---|
| | | |

इस चित्र में दिखाई देने वाले सफ़ेद बाघ जानवर लुप्त होने को हैं। मानव की सूझबूझ के अभाव से यह बुरे परिणाम हमारे सम्मुख आ गये हैं। लुप्त होने की संभावना वाले पशु-पक्षियों की रक्षा के लिए सरकार जंगलों की सुरक्षा के पर्याप्त कदम उठा रहे हैं। पशु-पक्षी को हमारी अपनी संपदा मानकर उनकी सुरक्षा करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

**मुख्य शब्द:**

| | | |
|---|---|---|
| 1. जीवनशैली | 5. शत्रु से रक्षा पाना | 9. सूक्ष्म जीव |
| 2. जैव विविधता | 6. पक्षियों के घोसले | 10. जीवाणु |
| 3. जंतुओं का झुंड | 7. पक्षियों के आवास | 11. अनुसंधान |
| 4. रक्षा पाना | 8 सामूहिक जीवन | 12. लुप्त होना |

## हमने क्या सीखा?

### 1. विषय की समझ

अ) किन्हीं दो जानवरों की जीवन शैली लिखिए?

आ) मकड़ी के घोसले और पक्षी के घोसले में क्या अंतर है?

इ) घोंसले बनाने में पक्षी किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं?

ई) पक्षी और पशु घोंसले क्यों बनाते हैं?

उ) पशु-पक्षियों की जीवनशैली में क्या-क्या समानताएँ और असमानताएँ हैं?

ऊ) जैव विविधता किसे कहते हैं? पशु-पक्षियों को जीने का अधिकार है। इसका समर्थन तुम कैसे करोगे?

### 2. प्रश्न करना- अनुमान लगाना

- रामू ने खेत में एक मधुमक्खी के छत्ते को देखा। वह उसकी अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहता है। रामू अपने पिताजी से कौन-कौनसे प्रश्न पूछता होगा?

### 3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

अ) पक्षी के घोंसले के निर्माण पर ध्यान दीजिए। उसके संबंध में क्रम में लिखिए।

आ) पक्षी आहार लेते समय देखिए। आपके द्वारा देखे गये विषयों को लिखिए।

### 4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

अ) विभिन्न प्रकार के पक्षियों के घोंसले के नमूने बनाइए। उनसे Scrap Book तैयार कीजिए।

आ) आपके आस-पास के विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों के आवास और निर्माण के लिए उपयोग किये गये वस्तुओं का विवरण देते हुए तालिका बनाइए।

SCERT TELANGANA

| क्र.सं. | पक्षी-पशु का नाम | आवास का नाम | उपयोग किये गये वस्तु |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

**5. चित्रांकन, मानचित्र कौशल, नमूना द्वारा भाव विस्तार**

अ) तुम्हारे मनपसंद पक्षी के घोंसले का नमूना तैयार करके उसका विवरण दीजिए।

आ) किसी पक्षी के चित्र को उतारकर उसे रंगों से भरिए। उसका विवरण दीजिए।

**6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता।**

अ) हरिता तोते को पिंजरे में रखकर उसे फल खिलाती है। क्या इस तरह पक्षी को पिंजरे में रखना उचित है? क्यों? **यदी आप नव्या की जगह होते तो क्या करते?**

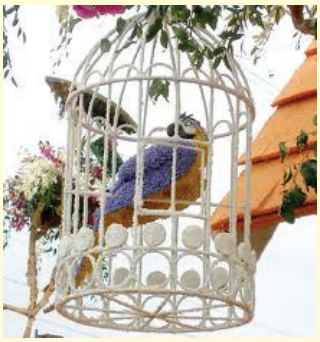

आ) सभी प्राणियों को जीने का अधिकार है। इनकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। इस पर जोर देते हुए नारे लिखिए। उनकी रक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए, इसका भी विवरण दीजिए।

## मैं यह कर सकता हूँ?

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मैं पशु-पक्षियों की जीवनशैली का विवरण दे सकता हूँ। | हाँ/नहीं |
| 2. | जैव-विविधता का वर्णन कर सकता हूँ। | हाँ/नहीं |
| 3. | मैं पशुओं के आवास संबंधी आवास के नमूने तैयार करके प्रदर्शित कर सकता हूँ। | हाँ/नहीं |
| 4. | मैं पक्षियों के घोंसले संबंधी स्क्रैप बुक तैयार करके प्रदर्शित करता हूँ। | हाँ/नहीं |
| 5. | मैं पशु-पक्षियों के प्रति करुणापूर्वक व्यवहार करूँ गा। उन्हें आहार दूँगा। | हाँ/नहीं |

SCERT TELANGANA